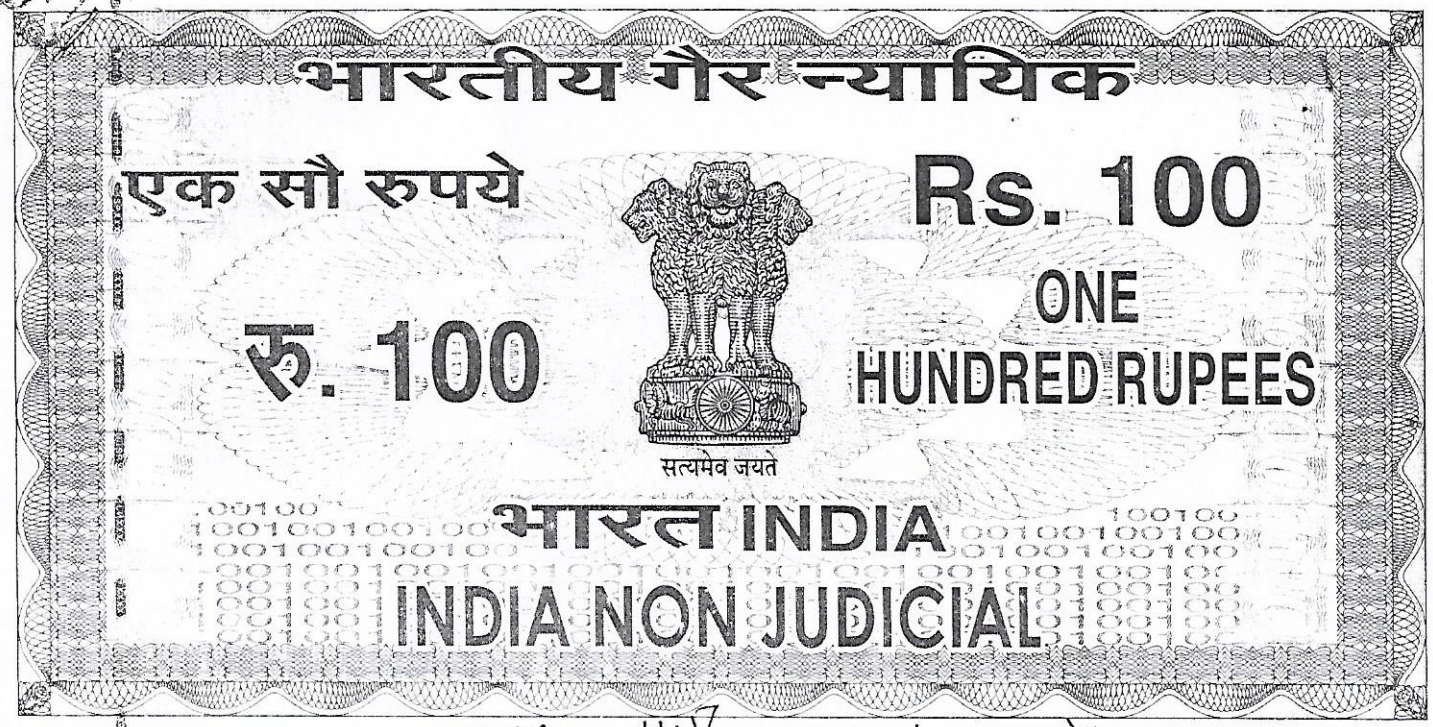

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

B 725709

1— नाम मोकिरानः—

(1) ***श्री लालबाबु सिंह***, वल्द स्व० रामचन्द्र सिंह।

फरीक नं0—1

(2) ***श्री अरूण सिंह***, वल्द श्री राम बाबु सिंह वो दादा स्व0 रामचन्द्र सिंह। **फरीक नं0—2**

(3) ***श्री मनोज कुमार***, वल्द स्व0 रामशरण सिंह वो दादा स्व0 रामचन्द्र सिंह। **फरीक नं0—3**

(4) ***श्री राम किशुन सिंह***, वल्द स्व0 रामचन्द्र सिंह।

फरीक नं0—4

साकिनान— लखनी बिगहा, थाना— दानापुर, पत्रालय— खगौल, जिला— पटना। भारतीय नागरिक।

2— नाम मोकिर अलैह :—

आपस में बहक एक दिगरे।

3— किस्म वशिका :—

आपसी बटवारा।

4– तायदाद मालियत :–

5– तफशील शै बटवारा सोलह आना :–

जमीमा नं0–1

यह जायदाद फरीक नं0–1 श्री लाल बाबु सिंह को मिला जिसपर वह काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकील हुए वो रहेगे। अब जमीमा नं0–1 के जायदाद से फरीक नं0–2 ता 4 को कोई एलाका वो सरोकार बाकी नहीं है ना रहा ना आईन्दा होगा।

मवाजी 97¾ डीसमल (सन्तानवें पुर्णांक तीन बटा चार डीसमल) एराजी आवासीय कायमी नगदी वाके मौजा– लखनी बिगहा, परगना– फुलवारी, थाना एवं सब रजिस्ट्री दानापुर, सदर रजिस्ट्री वो जिला– पटना, जो जमीन पटना विकास प्राधिकार क्षेत्र के अन्दर है, जिसका थाना संख्या–41 (एकतालीस), तौजी संख्या– 5225 (पॉच हजार दो सौ पच्चीस)।

खाता न0	प्लॉट नं0	एराजी ए0–डी0	" चौहद्दी "
60	1147	00–16 डी0 (वीरपुर कोना)	उत्तर :– आहर। दक्षिण :–राम बाबु साव। पुरब :– आहर। पश्चिम :– फरीक नं0–3
135	1151	00–12 डी0 (हनुमान थान)	उत्तर :– सरयुग सिंह। दक्षिण :– रामचन्द्र सिंह। पुरब :– आहर। पश्चिम :– बालक सिंह।
60	1121	00–10 डी0 (तार तर सत्यनारायण)	उत्तर :– रामदेव सिंह। दक्षिण :– सरयुग सिंह। पुरब :– राम अशीष राय। पश्चिम :– भगवान सिंह।

खाता न0	प्लॉट नं0	एराजी ए0–डी0	" चौहद्दी "
60	904	00–13 डी0 (रेहट पर)	उत्तर :– साधु शरण सिंह। दक्षिण :– रामस्वरूप सिंह। पुरब :– अरूण पाण्डेय। पश्चिम :– कृष्णा सिंह।
60	714	00–6½ डी0 (राम अशीष के पीछे)	उत्तर :– कृष्णा सिंह। दक्षिण :– कृष्णा सिंह। पुरब :– राम अशीष राय। पश्चिम :– रामजी सिंह।
141	688	00–05 डी0 (दुकान पर)	उत्तर :– अनुप चौधरी। दक्षिण :– रामचन्द्र सिंह। पुरब :– रोड। पश्चिम :– महेन्द्र सिंह वगैरह।
60	1387/1936	00–6½ डी0 (पुरब भर शीशवानी)	उत्तर :– रामदेव सिंह। दक्षिण :– लीलावती देवी। पुरब :– बालक सिंह। पश्चिम :– राम पुकार सिंह।
60	1388	00–13 डी0 (पुरब भर शीशवानी)	उत्तर :– महेन्द्र सिंह। दक्षिण :– राम पुकार सिंह। पुरब :– लीलावती देवी। पश्चिम :– श्री राम पुकार सिंह।
118	851	00–6½ डी0 (मकान)	उत्तर :– कृष्णा सिंह। दक्षिण :– फरीक नं0–3 पुरब :– नीज। पश्चिम :– सत्य नारायण सिंह।

खाता न0	प्लॉट नं0	एराजी	
		ए0-डी0	**"चौहद्दी"**
23	852	006½डी0	उत्तर:- योगेन्द्र सिंह
		(मकान)	दक्षिण:- सत्यनारायण सिंह
			पुरब:- नीज
			पश्चिम:- सागर सिंह

कुल एराजी:- 95 डी0

जमीमा न० 2

यह जायदाद फरीक नं0-2 श्री अरूण सिंह को मिला जिसपर वह काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकील हुए वो रहेगे। अब जमीमा नं0 2 के जायदाद से फरीक नं0-1 एवं 3 एवं 4 को कोई एलाका वो सरोकार बाकी नहीं है ना रहा ना आईन्दा होगा।

मवाजी 98 डीसमल (अन्ठानवें डीसमल) एराजी आवासी कायमी नगदी वाके मौजा- लखनी बिगहा, परगना- फुलवारी, थाना एवं सब रजिस्ट्री दानापुर, सदर रजिस्ट्र वो जिला- पटना, जो जमीन पटना विका प्राधिकार क्षेत्र के अन्दर है, जिसका थाना संख्या-41 (एकतालीस), तौजी संख्या-5225 (पाँच हजार दो सौ पच्चीस)

		ए0-डी0	**"चौहद्दी"**
60	1258	00-6½डी0	उत्तर:- लक्ष्मी मिस्त्री
		(खलीहान पर)	दक्षिण:- सिलखन मिस्त्री
			पुरब:- भगवान महतो
			पश्चिम:- सुखारी महतो

खाता न0	प्लॉट नं0	एराजी ए0-डी0	"चौहद्दी"
59	660	00-20 डी0 (मकान)	उत्तर:- रोड दक्षिण:- आहर पुरब:- हरिनारायण नाथुन सिंह पश्चिम:- सुरेश महतो वो बसंती देवी
59 (खलिहान तलाब पर पश्चिम)	879	00-15 डी0	उत्तर:- खलीहान दक्षिण:- हीरा चौधरी पुरब:- नवाब भगत पश्चिम:- रामचन्द्र सिंह वो रामजी सिंह
59 (खलिहान तलाब से पश्चिम)	886	00-10 डी	उत्तर:- नवाब भगत दक्षिण:- रामजी महतो पुरब:- रामचन्द्र सिंह पश्चिम:- महेन्द्र सिंह
23 (अगजा गोसाई)	1138	00-36 डी0	उत्तर:- छोटन यादव दक्षिण:- कृत राय पुरब:- साधु शरण राय पश्चिम:- भगवान सिंह
125 (खलिहान डीह पर)	1257	00-04 डी0	उत्तर:- लक्ष्मी मिस्त्री दक्षिण:- सिलखन मिस्त्री पुरब:- भगवान महतो पश्चिम:- सुखारी महतो
82 (चौहद्दी 11 डी0 का दर्ज है)	1633		उत्तर:- रेलवे रोड दक्षिण:- सुखु महतो पुरब:- राम पुकार सिंह पश्चिम:- दीनानाथ राय

कुल एराजी:- 103½ डी0

जमीमा न0 - 3

यह जायदाद फरीक न0-3 श्री मनोज सिंह को मिला जिसपर वह काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकील हुए वो रहेंगे। अब जमीमा नं0-3 के जायदाद से फरीक नं0-1 एवं 2 एवं 4 को कोई एलाका वो सरोकार बाकी नहीं है ना रहा ना आईन्दा होगा।

मवाजी 80¾ डीसमल (अस्सी पुर्णांक तीन बटा चार डिसमल) एराजी आवासीय कायमी नगदी वाके मौजा- लखनी बिगहा, परगना- फुलवारी शरीफ, थाना एवं सब रजिस्ट्री दानापुर, सदर रजिस्ट्री वो जिला- पटना, जो जमीन पटना विकास प्राधिकार क्षेत्र के अन्दर है, जिसका थाना संख्या - 41 (एकतालीस), तौजी संख्या 5225 (पाँच हजार दो सौ पच्चीस) ।

खाता नं0	प्लॉट नं0	एराजी ए0-डी0	"चौहद्दी"
60	1147		उत्तर:- अहार दक्षिण:- सत्यनारायण सिंह वो भगवान सिंह
		00-31 डी0 (कोनहारा)	पुरब:- फरीक नं0-1 वो राम बाबु साव पश्चिम:- साधु शरण राय
42	1144		उत्तर:- अहार दक्षिण:- सत्यनारायण सिंह वो भगवान सिंह पुरब:- फरीक नं0-1 वो राम बाबु साव पश्चिम:- साधु शरण राय
60	847	00-05 डी0 (गबरा)	उत्तर:- भगवान सिंह वो सत्यनारायण सिंह दक्षिण:- लीला देवी पुरब:- द्वारिका भगत पश्चिम:- रामस्वरूप सिंह वो परशुराम सिंह
99	1174	00-10 डी0 (डीह)	उत्तर:- भरोसा सिंह दक्षिण:- श्याम नारायण मिस्त्री पुरब:- सरयुग सिंह पश्चिम:- गौरी भगत
72 (खलिहान तलाब से पश्चिम)	882	00-04 डी0	उत्तर:- मुनारीक राय दक्षिण:- कठीन कहार पुरब:- खलीहान पश्चिम:- परशुराम महतो

खाता न0	प्लॉट नं0	एराजी ए0–डी0	" चौहद्दी "	
160	863	00–16 डी0 (गबरा)	उत्तर	:–भगवान सिंह वो सत्यनारायण सिंह।
			दक्षिण	:– लीला देवी।
			पुरब	:– द्वारिक भगत।
			पश्चिम	:– रामस्वरूप सिंह वो परशुराम सिंह।
42	871	00–10 डी0 (गबरा से उपर)	उत्तर	:– राम स्वरूप सिंह।
			दक्षिण	:– सत्य नारायण सिंह।
			पुरब	:– परशुराम सिंह।
			पश्चिम	:– राम सेवक सिंह।
42	894	00–03 डी0 (खलीहान पर)	उत्तर	:– परशुराम सिंह।
			दक्षिण	:– सुखु सिंह।
			पुरब	:– सिलखन मिस्त्री।
			पश्चिम	:– सत्य नारायण रिंह।
181	1241	00–03 डी0 (डीह दुकान पर)	उत्तर	:- राम पुकार सिंह।
			दक्षिण	:– हरिनारायण सिंह वो नाथुन सिंह।
			पुरब	:– महेन्द्र सिंह।
			पश्चिम	:– राम सेवक सिंह।

कुल एराजी:–80¾ डी0

जमीमा नं0–4

यह जायदाद फरीक नं0–4 श्री राम किशुन सिंह को मिला जिसपर वह काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकील हुए वो रहेगे। अब जमीमा नं0–4 के जायदाद से फरीक नं0–1 वो 2 वो 3 को कोई एलाका वो सरोकार बाकी नहीं है ना रहा ना आईन्दा होगा।

मवाजी 89¾ डीसमल (नवासी पुर्णांक तीन बटा चार डीसमल) एराजी आवासीय कायमी नगदी वाके मौजा– लखनी बिगहा, परगना– फुलवारी, थाना एवं सब रजिस्ट्री दानापुर, सदर रजिस्ट्री वो जिला– पटना, जो जमीन पटना विकास प्राधिकार क्षेत्र के अन्दर है, जिसका थाना संख्या–41 (एकतालीस), तौजी संख्या– 5225 (पॉच हजार दो सौ पच्चीस)।

खाता नं0	प्लॉट नं0	एराजी	
		ए0-डी0	"चौहद्दी"
60	1463	00-11 डी0	उत्तर:- रामचन्द्र सिंह
		(चाँदमारी उपर)	दक्षिण:- महेन्द्र सिंह
			पुरब:- रामचन्द्र राय वो महेश सिंह
			पश्चिम:- भगवान सिंह
18	1496	00-30 डी0	उत्तर:- प्रदीप राय वो रामचन्द्र सिंह
		(चाँदमारी से नीचे)	दक्षिण:- रामचन्द्र सिंह वो भगवान सिंह
			पुरब:- श्री निवास राय
			पश्चिम:- मोसाफिर भगत
18	678	00-21 डी0	उत्तर:- मोसाफिर भगत
		(मकान)	दक्षिण:- रोड
			पुरब:- रघुनाथ लाल वो सागर सिंह
			पश्चिम:- खेलावन भगत वो परशुराम सिंह
18	1425	00-17 डी0	उत्तर:- प्रदीप सिंह
		(उपरी बाँध)	दक्षिण:- महेन्द्र सिंह
			पुरब:- आहर
			पश्चिम:- राम पुकार सिंह
135	1493	00-08 डी0	उत्तर:- रामचन्द्र सिंह
			दक्षिण:- श्री निवास राय
			पुरब:- टेमन महतो
			पश्चिम:- प्रदीप राय

कुल एराजी:- 87 डी0

"सन्दर्भ"

यह कि शै बटवारा खाना नं0 5 मोकिरान नं0–1 वो 4 के पिता की खरीदगी सम्पत्ति है वो मोकिरान नं0–2 वो 3 की मौरूसी सम्पत्ति है, जिसपर मोकिरान ईजमालन काबिज दखिल चले आतें हैं। यह कि जायदाद खाना नं0 5 ईजमालन रहनें से समय पर मालगुजारी अदायकारी नहीं हो पाती है। इसलिए मोकिरान नें मुनासिब समझा कि ईजमाली जायदाद को आपस में मिल बैठकर बॉट लें। इसलिए मोकिरान अपनें–अपनें होश वो हवाश में रहकर यह तय हुआ कि जमीमा नं0–1 की जायदाद फरीक नं0–1 को मिला जिसपर वह काबिज दखिल मालिक मुस्तकील हुएं वो रहेंगे और बिहार सरकार जमीन्दारी विभाग की पुस्तिका मे या नाम अपना जहॉ जहॉ जरूरी समझें, दर्ज करा लें। इसमें फरीक नं0–2 वो 3 वो 4 को कोई उजूर वो एतराज ना है ना आईन्दा होगा। वो जमीमा नं0–2 की जायदाद फरीक नं0–2 को मिला जिसपर वह काबिज दखिल मालिक मुस्तकील हुएं वो रहेंगे और बिहार सरकार जमीन्दारी विभाग की पुस्तिका मे या नाम अपना जहॉ जहॉ जरूरी समझें, दर्ज करा लें। इसमें फरीक नं0–1 वो 3 वो 4 को कोई उजूर वो एतराज ना है ना आईन्दा होगा। वो जमीमा नं0–3 की जायदाद फरीक नं0–3 को मिला जिसपर वह काबिज दखिल मालिक मुस्तकील हुएं वो रहेंगे और बिहार सरकार जमीन्दारी विभाग की पुस्तिका मे या नाम अपना जहॉ जहॉ जरूरी समझें, दर्ज करा लें। इसमें फरीक नं0–1 वो 2 वो 4 को कोई उजूर वो एतराज ना है ना आईन्दा होगा। वो जमीमा नं0–4 की जायदाद फरीक नं0–4 को मिला जिसपर वह काबिज दखिल मालिक मुस्तकील हुएं वो रहेंगे और बिहार सरकार जमीन्दारी विभाग की पुस्तिका मे या नाम अपना जहॉ जहॉ जरूरी समझें, दर्ज करा लें। इसमें फरीक नं0–1 वो 2 वो 3 को कोई उजूर वो एतराज ना है ना आईन्दा होगा।

यह कि कोई भी फरीक अच्छे–बुरे कमी–बेसी का किसी भी फरीक के साथ लाएँ या अदालत में पेश करें तो वह नाजायज समझा जायेगा। इस वास्ते यह बटवारानामा अपनें–अपनें खुशी वो ख्वाहिश से चार प्रति मे तैयार किया ताकि चारो फरीक एक–एक कॉपी अपने अपने पास रखें, कि समय पर काम आवें वो प्रमाण रहे।

दिनांक–